दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र कचनेर

श्री 1008 चिन्तामणि पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र कचनेर, महाराष्ट्र के जिला औरंगाबाद में स्थित है। कचनेर, औरंगाबाद से मात्र 37 किमी. की दूरी पर स्थित एक ग्राम है जहाँ एक भव्य जिनालय में चिन्तामणि भगवान पार्श्वनाथ की अतिशयकारी प्रतिमा विराजमान है।

भगवान पार्श्वनाथ की यह अतिशयकारी प्रतिमा 250 वर्ष पूर्व एक तहखाने से प्राप्त हुई थी। भगवान पार्श्वनाथ की यह अतिशयकारी प्रतिमा सर्व मनोरथ पूर्ण करने वाली एवं दर्शन मात्र से ही संकट का निवारण करने वाली मनोहारी प्रतिमा है।

प्रतिमा की प्राप्ति भी अतिशयपूर्ण ढंग से हुई। लगभग 250 वर्ष पूर्व एक गाय एक स्थान पर स्वयं ही दूध झराती थी। गाय की मालकिन ने गाय को खूंटे से कसकर बांध दिया परन्तु गाय शाम होते ही खूंटा तोड़कर वहीं पहुँच गई और स्वयं दूध झराने लगी। उस महिला ने यह बात गांव वालों को बताई तो गांव वालों ने उस स्थान पर खुदाई की। खुदाई करने पर एक तहखाना मिला जिसके अन्दर से यह अतिशयकारी भव्य प्रतिमा प्राप्त हुई। बाद में उसी स्थान पर भव्य मंदिर का निर्माण कराकर प्रतिमा स्थापित की गई।

प्रतिमा से एक और अतिशय जुड़ा है। स्थापना के कुछ वर्ष पश्चात् अचानक ही प्रतिमा का सिर, मूर्ति से अलग होकर नीचे गिर पड़ा। ग्रामवासियों ने भगवान महावीर की नई प्रतिमा स्थापित करने का निर्णय लिया तथा यह सोचा कि खण्डित प्रतिमा को जल में प्रवाहित कर दिया जायेगा। जब ग्रामवासी नई प्रतिमा ला कर स्थापति कर रहे थे तो खण्डित प्रतिमा को जल में प्रवाहित करने से कुछ पूर्व क्षेत्र के निवासी लच्छीराम कासलीवाल को स्वप्न में यह दिखाई दिया कि प्रतिमा को जल में प्रवाहित करने की जगह एक गड्ढे में रख दो तथा गड्ढे को घी एवं बूरा से भर कर बंद कर दो तथा कमरे को बंद करके सात दिन तक अखण्ड रूप से भगवान की पूजा अर्चना करो तो भगवान की प्रतिमा जुड़ जायेगी।

गांव वालों ने स्वप्न के अनुसार ही कार्य किया और चमत्कारिक रूप से प्रतिमा पुनः जुड़ी हुई पाई गई। यद्यपि टूटने का निशान अभी तक प्रतिमा पर बना है।

भगवान पार्श्वनाथ की यह अद्भुत अतिशयकारी प्रतिमा सबका संकट हरने वाली व मनोकामना पूर्ण करने वाली है। इसी कारण से कचनेर वाले बाबा को चिन्तामणि पार्श्वनाथ के नाम से भी जाना जाता है।

क्षेत्र पर अनेक राजनेताओं और अधिकारियों का आवागमन होता रहता है। प्रतिवर्ष कार्तिक शुक्ला पूर्णिमा को यहाँ भव्य मेला लगता है। यहाँ रुकने, ठहरने की उपयुक्त व्यवस्था है।

सम्पर्क- 0240-2644108, 2644103

-नवनीत जैन